स्वागत

श्यामलाल एम.एस
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग,
सेक्रेड हेर्ट,तेवरा

अकेली आवाज़

(उपन्यास)

- पूरा नाम : राजेन्द्र अवस्थी
- जन्म 25 : जनवरी, 1930
- जन्म भूमि: जबलपुर
- मृत्यु :30 दिसम्बर, 2009
- मृत्यु स्थान :दिल्ली
- अभिभावक पिता- धनेश्वर प्रसाद, माता- बेटी बाई
- पति/पत्नी : शकुंतला अवस्थी
- संतान तीन पुत्र तथा दो पुत्रियाँ

- साहित्यकार और पत्रकार
- मुख्य रचनाएँ – 'सूरज किरण की छाँव', 'जंगल के फूल', 'जाने कितनी आंखें', 'मकड़ी के जाले', 'दो जोड़ी आंखें', 'दोस्तों की दुनिया' आदि।
- अवस्थी जी को अक्सर सभाओं और गोष्ठियों में भी आमंत्रित किया जाता था। वहाँ आने वाला प्रत्येक श्रोता बड़े ध्यान से उनकी बात सुनता था।

- राजेन्द्र अवस्थी भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार और पत्रकार थे।
- वे 'कादम्बिनी पत्रिका' के सम्पादक थे।
- उन्होंने जहाँ एक पत्रकार के रूप में कई मापदण्ड स्थापित किये, वहीं अपने साहित्य सृजन में भी अद्‌भुत सफलता प्राप्त की थी।
- राजेन्द्र अवस्थी 'नवभारत', 'सारिका', 'नंदन' और 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' के सम्पादक भी रहे थे।

- उन्होंने कई चर्चित उपन्यासों, कहानियों एवं कविताओं की रचना की।
- वह 'ऑथर गिल्ड ऑफ़ इंडिया' के अध्यक्ष भी रहे थे।
- दिल्ली सरकार की हिन्दी अकादमी ने उन्हें वर्ष 1997-1998 में साहित्यिक कृति से सम्मानित किया था।
- राजेन्द्र अवस्थी ने 'कादम्बिनी' के 'कालचिंतन' कॉलम के माध्यम से अपना एक ख़ास पाठक वर्ग तैयार किया था।